REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
संज्ञा
LIVE
21-01-2025 11:00 AM

संज्ञा (विकारी)

प्राचीन हिन्दी के अनुसार -

- जातिवाचक संज्ञा
- व्यक्तिवाचक संज्ञा
- भाववाचक संज्ञा
- समूहवाचक संज्ञा
- द्रव्यवाचक संज्ञा

परिभाषा ⇒ किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव आदि का बोध हो उसे संज्ञा कहते है।

संज्ञा = सम + ज्ञा (सम्यक् ज्ञान या ठीक पहचान)

उदा॰ सोहन एक बुद्धिमान बालक है।

उसने चांदी की अंगूठी पहन रखी है।

मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है।

* मुख्य / रचना / व्युत्पत्ति / आधुनिक के आधार पर संज्ञा के तीन भेद हैं।

⇒ जातिवाचक
  - समूह
  - द्रव्य

⇒ व्यक्तिवाचक

⇒ भाववाचक

* संज्ञा मूल रूप से दो प्रकार की होती है।

⇒ यथार्थवाचक (दृश्य) जाति, व्यक्ति, समूह, द्रव्य

⇒ भाववाचक (अदृश्य)

1.जातिवाचक संज्ञा - जिन संज्ञा शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति की पूरी जाति का बोध हो उसे जाति वाचक संज्ञा कहते है।

ट्रिक - दृश्य + बहुवचन + जिसके जैसे और हो

- जैसे:- पशु–पक्षियों के नाम - बैल, घोड़ा, तोता, मैना, चील, बाज इत्यादि
- सम्बन्धियों, पदों के नाम - भाई, बहन, माँ, डॉक्टर, मंत्री, प्रधानमंत्री, वकील, अध्यापक, लेखक, आदि
- वस्तुओं व अन्य नाम - मकान, कुर्सी, मेज, पुस्तक, राज्य, नगर, शहर, पौधे, पेड़, फल, नदी, पर्वत, फूल आदि
- प्राकृतिक तत्वों के नाम - बिजली, वर्षा, भूकम्प, आँधी, तूफान, ज्वालामुखी आदि।

जातिवाचक संज्ञा

गाँधी अपने समय के **कृष्ण** थे।

समुद्रगुप्त भारत का **नेपोलियन** था।

आज भी भारत में **श्रवण कुमार** पैदा होते है।

वह झूठ नहीं बोल सकता है। वह तो बिल्कुल **हरिश्चन्द्र** है।

कलियुग में हरिश्चन्द्रों की कमी नही है।

हमें भारत में जयचन्दों पर कड़ी नजर रखनी चाहिये।

हमारे देश में जयचन्दों की कमी नहीं है।

→ विश्वास घाती

यहाँ हरिश्चन्द्र व्यक्तिवाचक संज्ञा उसके सत्य और निष्ठा के गुण को प्रकट करने से जातिवाचक संज्ञा बनी।

यहाँ जयचन्द शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा होते हुए भी उसके विश्वासघात गुण को प्रकट करने के कारण अन्य व्यक्तियों का बोध कराती है। अतः यह जातिवाचक संज्ञा है।

2. व्यक्तिवाचक संज्ञा - जो शब्द किसी स्थान, वस्तु या व्यक्ति के नाम का बोध कराते है। उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

ट्रिक - दृश्य + एकवचन + जो दुनिया में अकेला हो।

व्यक्ति — राम	आगरा - व्यक्ति	कावेरी - व्यक्ति
↓	↓	↓
जाति — मनुष्य	शहर - जाति	नदी - जाति

- **जैसे– देशो के नाम** – भारत, श्रीलंका, जापान, भूटान, चीन, म्यांमार, नेपाल आदि।
- **नदी व झीलों के नाम** – गंगा, यमुना, बह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, डल, बैकाल आदि।
- **व्यक्तियों के नाम** – राम, कृष्ण, श्याम, सीता, गीता, मोहन, सोहन, रोहित, केशव, गौतमबुद्ध आदि।
- **ग्रन्थों के नाम** – रामायण, पद्मावत, महाभारत, साकेंत, कामायनी, कुरान आदि।
- **दिनों के नाम** – सोम, मंगल, बुद्ध, गुरु, शनि आदि।
- **शहरों के नाम** – लखनऊ, गोरखपुर, आगरा, ग्वालियर, इलाहाबाद आदि।
- **समाचार पत्र के नाम** – हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक जागरण, नवभारत टाइम्स, अमर उजाला आदि।

3. भाववाचक संज्ञा – जिन संज्ञा शब्दों से किसी वस्तु का भाव, दशा, धर्म, गुण आदि का बोध होता है उसे भाववाचक संज्ञा कहते है। भाववाचक संज्ञा की गणना नही कर सकते है।

ट्रिक - अदृश्य + जिसे छू व देख नही सकते (महसूस)

इसका निर्माण पाँच प्रकार से किया जाता है।

प्रेम, क्रोध, नफरत, गरीबी, अमीरी

भाववाचक संज्ञा का निर्माण जातिवाचक, सर्वनाम, विशेषण, अव्यय, क्रिया से होता है।

- **जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा** – मानव से मानवता, मित्र से मित्रता, पुरुष से पौरुष, लड़का से लड़कापन, बूढ़ा से बूढ़ापा आदि।
- **सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा** – अपना से अपनापन, स्व से स्वत्व, अंह से अंहकार, मम से ममत्व, निज से निजत्व आदि।
- **विशेषण से भाववाचक संज्ञा** – कठोर से कठोरता, चौड़ा से चौड़ाई, वीर से वीरता, सुन्दर से सुन्दरता, भोला से भोलापन, चतुर से चतुरता, मीठा से मिठास, सफल से सफलता आदि।
- **अव्यय से भाववाचक संज्ञा** – निकट से निकटता, दूर से दूरी, धिक् से धिक्कार, समीप से समीपता आदि।
- **क्रिया से भाववाचक संज्ञा** – लिखना से लिखाई, पढ़ना से पढ़ाई, चढ़ना से चढ़ाई, घबराना से घबराहट, खेलना से खेल, भटकना से भटकाव आदि।

4. समूहवाचक संज्ञा – जिन संज्ञा शब्दों से एक ही जाति की वस्तुओं के समूह का बोध होता है। उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।

- **व्यक्तियों का समूह** – परिवार, संघ, सेना, झुण्ड, संगठन टुकड़ी, गिरोह, दल, कक्षा, सभा, भीड़, [redacted] समीति, पंचायत टीम, आदि
- **वस्तुओं का समूह** – गुच्छा, पुंज, ढेर, श्रृंखला, गठ्ठर, दर्जन, जखीरा(हथियारों से भरा), फूलो का गुलदस्ता आदि

5. **द्रव्यवाचक संज्ञा -** जिन संज्ञा शब्दों से किसी ऐसे पदार्थ या द्रव्य का बोध होता है जिसे हम नाप तौल सकते है परन्तु गिन नही सकते। उसे द्रव्य/पदार्थ वाचक संज्ञा कहते है।

- **धातुओं के नाम** – सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा, पीतल आदि
- **पदार्थों के नाम** – दूध, दही, घी, तेल, पानी, पेट्रोल, डीजल, तेजाब आदि